प्रकाशनार्थ

पटना। 12 जून। एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीच्यूट (आद्री) द्वारा अपने संस्थापकों डॉ. शैबाल गुप्ता और डॉ. प्रभात पी. घोष की स्मृति में आयोजित नवप्रवर्तन कार्यशाला के समापन अवसर पर कोलकाता के भारतीय सांख्यिकी संस्थान के प्रोफेसर डॉ. सौरव चक्रवर्ती ने अच्छे शोध कार्य के मुख्य गुणों का वर्णन किया और कार्यशाला के प्रतिभागियों को उच्च प्रभाव वाले शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान में शोध के बारे में उच्च-स्तरीय जानकारी दी। इसके बाद आद्री की सदस्य-सचिव डॉ. अश्मिता गुप्ता ने श्रोताओं को आधुनिक एम्पिरिक्ल अर्थशास्त्र के विषय से परिचित कराया। इस क्षेत्र में अग्रणी शोध के उदाहरणों का उपयोग करते हुए उन्होंने बताया कि इन समस्याओं पर काम करने के लिए बिहार आदर्श स्थान कैसे है।

इससे पहले सीएसईसी- आद्री के डॉ. सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 2024 के पीएम 2.5 स्तर के आंकड़े पटना के लिए 2017 के 139.5 $\mu g/m^3$ के स्तर से 76.0 $\mu g/m^3$ पर आकर उल्लेखनीय सुधार दर्शाते हैं। इसके बावजूद भारत सरकार के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक द्वारा निर्धारित स्वीकार्य सीमाओं के अंदर आने के लिए इस स्तर में कुछ और सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने वायु प्रदूषण की समस्या को दूर करने के लिए ई-वाहन शुरू करने और 15 साल से अधिक पुराने डीजल से चलने वाले वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए बिहार सरकार की प्रशंसा की। आद्री के डॉ. अर्पण शर्मा ने दर्शाया कि किस तरह भू-स्थानिक विज्ञान का उपयोग आम लोगों की भलाई के लिए किया जा रहा है। उन्होंने नाइट लाइट (एनटीएल) रेडिएशन डेटा का हवाला दिया। यह मूल रूप से नासा के उपग्रहों से प्राप्त छवियां हैं जो रात में उत्सर्जित होने वाले कृत्रिम प्रकाश की तीव्रता को दर्शाती हैं। रोशनी जितनी तीव्र होती है, उस क्षेत्र की आर्थिक गतिविधि उतनी ही अधिक होती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार बिहार का एनटीएल डेटा अखिल भारतीय स्तर पर दर्ज किए जा रहे डेटा से दस गुना अधिक है, जो राज्य में गहन आर्थिक गतिविधि को दर्शाता है। इसके बाद आद्री के अनमोल राय और रचना ने शोध कार्य में एक अच्छा प्रस्ताव बनाने की बारीकियों को समझाया।

इस दो-दिवसीय कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।